ज़रा सोचें...

कहीं... उनके आदेशों की अवज्ञा तो नहीं हो रही...!!

वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका राजयोगिनी ब्र.कु. गीता दीदी,माउण्ट आबू

जिस दिन बहुत लगन में मगन होकर बाबा को याद करते हैं तो फिर घंटों आवाज़ में आना अच्छा नहीं लगता, हमें अपने आप में बाबा की याद में इतना आनंद आता रहता जो हमें बात करने की इच्छा नहीं होती, और अब समय भी बाबा ने जैसा बताया वापिस घर जाना है, तो बाबा पूर्व तैयारी करा रहा है। ताकि अंत में सहज ही हम देह से निकल सकें। कोई चीज़ें हमें खींचे नहीं, कोई व्यक्ति की याद हमें आये नहीं। याद की प्रैक्टिस कैसी करनी है? जो अंत में और किसी की याद न आए, अंत में एक बाबा ही याद आए, ये इच्छा है ना सभी को कि अंत में एक बाबा ही याद आये, हमारी बुद्धि कहीं भी भटके नहीं, क्योंकि 'अंत मति सो गति' ये महावाक्य कई बार हमें सुनाते हैं बाबा, तो ये भी सिर्फ सुनना नहीं है लक्ष्य बनाना है।

हमारा व्यक्तिगत लक्ष्य हो कि अंत में बाबा की याद में हमारा शरीर छूटे, भक्ति में कहते हैं कि गंगा का तट हो, यमुना का वंशी वट हो, कृष्ण हो, मुरली हो, देखो, भक्तों की कितनी लगन है! वो भी तो ग्रहस्थी थे! पर इच्छा क्या है? देखो, कि भगवान की याद के आनंद में शरीर छूटे, हमें भी ये लक्ष्य बनाना है। हमारी भी ये इच्छा हो। ब्राह्मण जीवन की शुरूआत में ही पहला ही आदेश बाबा का क्या है? कि देह सहित देह के सर्व धर्म-संबंध छोड़, एक मुझे याद करो, एक मेरी शरण में आओ, ब्राह्मण जीवन की शुरूआत में ही बाबा का यह आदेश है। दूसरा बाबा ने कहा सब कुछ मेरे हवाले कर दो, तो इस अंतिम जन्म में महापरिवर्तन की वेला पर भगवान का हम बच्चों के लिए क्या आदेश है? सब कुछ भूल जाओ और एक मुझे याद करो। सब संग छोड़, एक मुझ संग योग लगाओ। तो इन सब आदेशों को सुनकर क्या चिंतन करते हो? उसे प्रैक्टिकल करने के लिए कोई चिंतन करते हो! अगर निश्चय है भगवानुवाच, अगर निश्चय है ये परिवर्तन की वेला है तो चिंतन चलना चाहिए कि मुझे अपने जीवन में इसे कैसे प्रैक्टिकल करना है। और सभी से बुद्धियोग हट जाये, ये समझ में आ जाए कि किसी की याद से कोई फायदा नहीं। हाँ, और किसी को क्यों याद करते हैं? कोई फायदा हैं क्या? तो अपने आप को समझाना है।

ज्ञानी हो या अज्ञानी हो,और किसी की याद से कोई फायदा नहीं। ये पक्का निश्चय हो जाए कि एक बाबा की याद ही मुझ आत्मा को पावन बनाने वाली है, मुझ आत्मा में शक्ति भरने वाली है। मुझे बाबा से लगन लगानी है, बाबा में ही बुद्धि लगानी है। भक्त तो इसलिए भटकते हैं कि उनको तो सत्य का पता ही नहीं कि भगवान आया है। पर हमें तो पता है ना कि भगवान आया है। महापरिवर्तन हो रहा है। सम्पूर्ण सत्य ज्ञान बाबा ने हमें दे दिया है। अब हमें कहीं भी भटकने की आवश्यकता नहीं, न मन से और न ही तन से। अब हमारा सब कुछ एक बाबा के लिए है। हमारा समय, श्वास, संकल्प, शक्ति, दिल, दिमाग सब कुछ अब बाबा के लिए है। ये निर्णय किया है? बाकी सब कुछ निमित्त मात्र है बाबा ही मेरा सर्वस्व है।

जब समय को पहचान लिया, बाबा को पहचान लिया, अपने आप को पहचान लिया, अब

सम्पूर्ण सत्य ज्ञान बाबा ने हमें दे दिया है। अब हमें कहीं भी भटकने की आवश्यकता नहीं, न मन से और न ही तन से। अब हमारा सब कुछ एक बाबा के लिए है।

हमारा निर्णय है कि न संकल्प व्यर्थ करना है, न वाणी व्यर्थ करनी है। न व्यर्थ कर्मों में जाना है। जो आवश्यक दुनियावी कार्य हैं घर-ग्रहस्थ के वो हमें करने हैं, बाकी हमारा समय बाबा के लिये है, हमारा मन-बुद्धि बाबा के लिये है। सत्य ज्ञान को समझने का अर्थ ही है कि हम हमारी कोई भी एनर्जी वेस्ट ना करें। संकल्प शक्ति, शब्द शक्ति या कर्म शक्ति या समय हम व्यर्थ न करें, और इसलिए बाबा ने कहा है कि इस अंतिम जन्म में कार्मिक अकाउन्ट से जो संबंध हमें मिले हैं, वो तोड़ने नहीं हैं। क्योंकि कार्मिक अकाउन्ट से जो संबंध मिलते हैं वो हिसाब चुकाने ही होते हैं। ना तोड़ने हैं, ना नये संबंध जोड़ने हैं। संबंधों का विस्तार नहीं करना है इसलिए बाबा कहते हैं कि श्रीमत पर चलो, खुद भी ज्ञान में चलो, बच्चों को भी चलाओ, परिवार को भी ज्ञान में चलाओ। हमें सत्य ज्ञान मिला है, हमें जीवन पवित्र मिला है। हमारा जीवन सुखी बना है।

बाबा ने हमें कितनी फिकरों से फारिग किया है, तो हमारा लक्ष्य हो कि हमारे संबंध-सम्पर्क में जो भी हैं हमें उनको भी बाबा से जोड़ना है। ना तोड़ना है, ना जोड़ना है, बाबा ने क्या कहा है तोड़ निभाना है। ये प्रैक्टिकल करना है। अब हमें सबसे बुद्धियोग निकालना है। अलौकिक परिवार में भी अलौकिक रहना है, ऐसा नहीं कि लौकिक से छोड़ा और अलौकिक में अटक गये। अलौकिक बनकर चलना है।

यहाँ लौकिकता नहीं लानी है आपस में, शुरू से स्टेप बाय स्टेप, बाबा हमें डिटैच करते चले हैं। बाबा के बने,बाबा ने हमें कहा कमल फूल समान बनो। बाबा की श्रीमत क्या है? घर-ग्रहस्थ में रहते हुए कमल फूल समान रहो, न्यारा और प्यारा रहो, अनासक्त रहो, कर्मयोगी बनकर, कमल अलिप्त रहता है। हमें भी इस पतित दुनिया में रहते हुए विकारों से अलिप्त रहना है।

सुन्नी-शिमला(हि.प्र.)। ब्रह्माकुमारीज़ उपसेवाकेन्द्र के चतुर्थ वार्षिक आध्यात्मिक सम्मेलन में आने पर राज्यपाल राजेन्द्र विश्वनाथ अर्लेकर को मोमेंटो देकर सम्मानित करते हुए माउण्ट आबू से आये राजयोगी ब्र.कु. प्रकाश भाई, संस्थान के कार्यकारी सचिव राजयोगी ब्र.कु. मृत्युंजय भाई व ब्र.कु. शिविका बहन तथा उपसेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. शकुंतला बहन। साथ ही इस मौके पर ब्रह्माकुमारीज़ की ओर से राज्यपाल एवं राजभवन के समस्त स्टाफ को माउण्ट आबू आने का निमंत्रण भी दिया गया।

शाहपुर-गोरखपुर(उ.प्र.)। ब्रह्माकुमारीज़ के समाज सेवा प्रभाग के 'स्वर्णिम समाज निर्माण' अभियान कार्यक्रम में दीप प्रज्वलित करते हुए उत्तर प्रदेश कैबिनेट मिनिस्टर डॉ. संजय निषाद, फिल्म अभिनेता एवं सांसद रविकिशन, महापौर सीताराम जायसवाल, प्रो. ई.वी. स्वामीनाथन भाई, ब्र.कु. वीरेंद्र भाई, ब्र.कु. विपिन भाई व ब्र.कु. पारुल बहन।

औंछा-मैनपुरी(उ.प्र.)। ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा आयोजित 'स्वपरिवर्तन से विश्वपरिवर्तन' विषयक कार्यक्रम में जिला अधिकारी अविनाश कृष्ण सिंह को ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. भावना बहन।

बरही-हजारीबाग(झारखंड)। अपेम वेलफेयर फाउण्डेशन सह अपेम लाईव न्यूज़ के तत्वाधान में आयोजित वार्षिक समारोह में ब्रह्माकुमारीज़ के स्थानीय सेवाकेन्द्र की वृहद एवं अमूल्य सेवाओं को देखते हुए सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. रीना बहन, ब्र.कु. रोशनी बहन एवं ब्र.कु. रामदेव भाई को सम्मानित करते हुए अपेम वेलफेयर फाउण्डेशन के चीफ एडवाइज़र डॉ. अनिल कुमार, डॉ. रंजना कुमारी, प्रेसिडेंट कम डायरेक्टर कृष्णा प्रजापति, कपिल कुमार डायरेक्टर, मुकेश केसरी डायरेक्टर आदि।

दिल्ली-पीतमपुरा। निधि बंसल,सर्विस मैनेजर,टाटा पावर डीडीएल को रक्षासूत्र बांधने के पश्चात् ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु. सुनीता बहन, ब्र.कु. उषा बहन, ब्र.कु. मधु बहन तथा अन्य।

राउरकेला-ओडिशा। ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा सम्बलपुर क्षेत्र को नशा मुक्त करने की दिशा में 'मेरा ओडिशा व्यसन मुक्त ओडिशा' अभियान के तहत गुरु नानक पब्लिक स्कूल में आयोजित कार्यक्रम में कोयल नगर सेवाकेन्द्र के ब्र.कु. राजीव भाई ने प्रोजेक्टर शो के द्वारा 11वीं कक्षा के करीब सौ विद्यार्थियों को हर तरह के व्यसनों से दूर रहने के प्रति मार्गदर्शन दिया तथा राजयोग का अभ्यास कराते हुए शपथ भी दिलाई। इस मौके पर प्रधानाचार्य रबिन्दर नाथ दास, डॉ. जयनाथ मेहर, इंस्पेक्टर इंचार्ज बॉम्ब स्क्वाड के प्रशांत कुमार भोई आदि उपस्थित रहे।

मोहाली-पंजाब। ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा डीएवी स्कूल,मोहाली में फैकल्टी मेम्बर्स के लिए आयोजित 'स्ट्रेस मैनेजमेंट' कार्यक्रम के पश्चात् समूह चित्र में ब्र.कु. शशि बहन व ब्र.कु. मीना बहन। इस अवसर पर स्कूल के मेधावी छात्रों के लिए आयोजित अभिनंदन समारोह में छात्रों को ब्रह्माकुमारी बहनों एवं स्कूल के प्रिंसिपल द्वारा ट्रॉफीज़ एवं सर्टिफिकेट्स देकर सम्मानित किया गया।

मथुरा-उ.प्र.। पंडित दीनदयाल उपाध्याय के जन्म दिवस पर उनके पैतृक गांव दीनदयाल धाम,फरह मथुरा में चार दिवसीय विशाल ग्राम विकास प्रदर्शनी व किसान मेले का आयोजन किया गया। मेले का उद्घाटन माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने किया व समापन समारोह में राज्यपाल महोदया श्रीमति आनंदी बेन पटेल उपस्थित रहीं। इस मेले में ब्रह्माकुमारीज़ के ग्राम विकास प्रभाग द्वारा आत्मनिर्भर किसान प्रदर्शनी लगाकर रिफाइनरी नगर सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. कृष्णा बहन एवं अन्य ब्र.कु. भाई-बहनों द्वारा किसानों को शाश्वत यौगिक खेती के बारे में जानकारी दी गई। प्रदर्शनी का पंडित दीनदयाल उपाध्याय स्मृति महोत्सव समिति के अध्यक्ष अशोक टेंटिवाल, महामंत्री कमल कौशिक, आयोजक मंडल के सदस्य ठाकुर महिपाल सिंह, मिशन मोदी के राष्ट्रीय अध्यक्ष रामगोपाल काका, स्थानीय विधायक, वरिष्ठ किसान नेताओं आदि ने अवलोकन कर सराहना की।

बस्ती-उ.प्र.। डी.एम.,आईएएस को रक्षासूत्र बांधते हुए ब्र.कु. गीता बहन।

आगरा-शास्त्रीपुरम(उ.प्र.)। अमर उजाला न्यूज़ पेपर के चीफ एडिटर भूपेंद्र कुमार को रक्षासूत्र बांधते हुए ब्र.कु. मधु बहन।

बरेली-आंवला(उ.प्र.)। हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड के डिपो मैनेजर आनंद कुमार एवं सहायक अर्चित आर्य को रक्षासूत्र बांधते हुए ब्र.कु. दीपा बहन।